18/6/25 पत्रा० पेश हुई। दावा अदम पैरवी अदम पैरवी अदम अदम हाजिरी में खारिज किया जा चुका है। प्रा० पत्र 212 RTA का कोई औचित्य नहीं है। अतः प्रा० पत्र इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रा० फैसल शुमार होकर होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.16 16:07:49 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner